ठगी का प्रयास ▸▸ आईपीएस अफसर की चालाकी से ठगोरे की हुई बोलती बंद

'हैलो, मैं एसबीआई ब्रांच मैनेजर बोल रहा हूं...'

बैंक अफसर के नाम से खाताधारकों को कॉल कर एटीएम कार्ड की जानकारी लेकर रुपए उड़ाने की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक ठगोरे ने साइबर क्राइम के जानकार एक आईपीएस अफसर को ही कॉल कर दिया। उसने कहा- 'हैलो, मैं एसबीआई का ब्रांच मैनेजर विश्वकर्मा बोल रहा हूं... आपका एटीएम कार्ड ब्लॉक हो गया है...' लेकिन अफसर की चतुराई के सामने ठगोरे की बोलती बंद हो गई और उसने कॉल ही काट दिया।

जफर खान जफर ● इंदौर
9926033955

उक्त घटनाक्रम पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज के डायरेक्टर आईजी वरुण कपूर के साथ हुआ। गौरतलब है आईजी कपूर द्वारा कार्यशालाओं के माध्यम से स्कूल, कॉलेजों से लेकर शासकीय, अशासकीय विभागों और कई संस्थानों में साइबर क्राइम से बचाव व इंटरनेट का उपयोग करते समय सुरक्षा उपायों को लेकर लगातार जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। हाल ही में वे एक माह की विदेश यात्रा से इंदौर लौटे। आईजी कपूर ने बताया कि इन दिनों साइबर विशिंग और साइबर फिशिंग जैसे अपराध बढ़ रहे हैं। अगर किसी भी नागरिक के मोबाइल पर कॉल आता है और एटीएम कार्ड ब्लॉक होने की बात कहकर जानकारियां मांगता है तो सतर्क रहें। आईजी वरुण कपूर ने बताया कि 3 फरवरी को दोपहर के वक्त उन्हीं के मोबाइल पर एक फर्जी कॉल आ गया था। कॉल करने वाले ने कहा- हैलो, मैं एसबीआई का ब्रांच मैनेजर विश्वकर्मा बोल रहा हूं। क्या आपको पता है कि आपका एटीएम कार्ड ब्लॉक हो गया है। जैसे ही यह कॉल आया तो वे समझ गए कि कोई ठगोरा ही है। उन्होंने जवाब दिया कि हां, मुझे पता है कि मेरा एटीएम कार्ड ब्लॉक हो गया है। इस पर कॉल करने वाला कुछ हड़बड़ाया, लेकिन फिर संभलकर बोला अच्छा तो ये बताएं कि आपका कार्ड कब ब्लॉक हुआ और कार्ड नंबर की जानकारी चाही। इस पर वरुण कपूर ने जवाब दिया कि आप तो खुद बैंक अफसर हैं, क्या आपको नहीं पता कि कार्ड कब ब्लॉक हुआ? इतना सुनते ही कॉल करने वाला समझ गया कि उसने किसी जानकार व जागरूक व्यक्ति को कॉल कर दिया है और उसने तत्काल फोन कॉल बंद कर दिया। बहरहाल, इस मामले में जांच की जा रही है। आईजी वरुण कपूर ने बताया कि गत दिवस वरिष्ठ नागरिक मंच की एक महिला सदस्य के पास भी ऐसा ही कॉल आया था। महिला ने बताया कि चूंकि वह साइबर जागरूकता कार्यशाला में शामिल हुई थी, इसलिए उसने अपने एटीएम कार्ड की जानकारी कॉल करने वाले को नहीं दी और वह ठगी से बच गई।

ट्रेस नहीं हो पाऊंगा, कहकर वह खिलखिला पड़ा था...

उधर, कुछ दिन पहले एक निजी कंपनी के कर्मचारी के साथ भी ऐसी ही घटना हुई थी। कर्मचारी ने घटना के बारे में आईजी कपूर को बताया था। उसके पास बैंक अधिकारी बनकर अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया तो उसने जवाब दिया था कि वह इस मोबाइल नंबर की फर्जी कॉल को लेकर पुलिस में शिकायत करने जा रहा है। इस पर कॉल करने वाला खिलखिलाकर बोला था कि मुझे पुलिस भी ट्रेस नहीं कर पाएगी, जाओ जो करना है कर लो, और फिर फोन कॉल काट दिया गया था।

बिजली कंपनी के तीन इंजीनियरों को 1.50 लाख रु. का चूना

इंदौर। साइबर अपराध बड़े पैमाने पर फल-फूल रहा है। बिजली विभाग के सिविल इंजीनियर और साथी को एटीएम बंद करने का झांसा देकर बदमाशों ने एक लाख का चूना लगा दिया, वहीं एक अन्य इंजीनियर को भी 50 हजार का चूना लगाया गया। पीड़ितों ने इसकी शिकायत शुक्रवार को साइबर सेल से की।

पोलोग्राउंड बिजली कंपनी के दफ्तर में सिविल इंजीनियर ओंकारलाल बामनिया गुरुवार दोपहर कार्यालय में व्यस्त थे, तभी उनके मोबाइल पर कॉल आया और बताया कि वह भोपाल से बोल रहा है। उनके एटीएम की वेलिडिटी खत्म हो रही है, क्या वे उसे आगे बढ़ाना चाहेंगे। हां कहने पर कॉलर ने पूछा कि वर्ष-2020 तक वेलिडिटी बढ़ाना है या 2035 तक। फरियादी ने 2035 तक बढ़ाने को कहा तो उसने पिन नंबर मांगा। इंजीनियर ने बताया कि ठगोरे की बातों में आकर नंबर बता दिया। इसी दौरान साथ बैठे कंपनी के ही री राजेश मिश्रा ने भी उसे वेलिडिटी बढ़ाने की बात कहते हुए अपने एटीएम का पिन नंबर बता दिया। शाम को दोनों के फोन पर मैसेज आया कि उनके खातों से 50-50 हजार रुपए निकाले गए हैं। तब वे बाणगंगा थाने पहुंचे, जहां से साइबर सेल पहुंचाया गया। पुलिस ने शिकायत लेते हुए मामला जांच में लिया है। एक अन्य इंजीनियर ने भी शुक्रवार को साइबर सेल में 50 हजार रुपए निकाले जाने की शिकायत की।

'वर्चुअल वर्ल्ड में कोई व्यक्ति सामने नहीं आता है, इसलिए साइबर क्राइम के मामलों में नागरिकों को अलर्ट रहना जरूरी है और भरोसा नहीं करना चाहिए। पुलिस या संबंधित सुरक्षा एजेंसी को सूचना भी देना चाहिए।'

-वरुण कपूर, (आईजी व निदेशक, पीआरटीएस)

प्रदेश में ऐसे साइबर अपराध 30 प्रतिशत- आईजी कपूर ने बताया कि पुलिस ट्रेनिंग स्कूल द्वारा ढाई वर्ष के दर्ज साइबर अपराधों की जो समीक्षा की गई थी, उसके अनुसार लगभग 30 प्रतिशत साइबर अपराध विशिंग, फिशिंग व ऑनलाइन बैंकिंग से संबंधित हो रहे हैं। साइबर विशिंग यानी वाइस कॉल के जरिये बैंक ग्राहक से एटीएम खातों की जानकारी लेना, जबकि फिशिंग यानी ई-मेल या एसएमएस के जरिये जानकारी पाकर ऑनलाइन फ्रॉड करना है।

चिटफंड कंपनी के शिकार लोग क्राइम ब्रांच पहुंचे

इंदौर। एक कंपनी ने निवेश पर तीस प्रतिशत ब्याज का लालच देकर हजारों लोगों को करोड़ों का चूना लगा दिया। बाद में संचालक रफूचक्कर हो गए। शुक्रवार को पीड़ित क्राइम ब्रांच पहुंचे, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। साउथ तुकोगंज स्थित होटल सूर्या के पास रॉयल स्टेट बिल्डिंग में व्यू-7 टेक्नोलॉजी प्राइवेट कंपनी ने घर बैठे पैसा कमाओ थीम पर ऑनलाइन विज्ञापन दिया। दो हजार युवा इसके झांसे में आ गए। जनवरी तक निवेशकों को नियमित ब्याज मिलता रहा, लेकिन फरवरी में नहीं मिला। कंपनी वालों ने कहा कि उनका पैसा फंस गया है, जो 4 फरवरी तक मिलेगा। पैसा नहीं आया तो उन्होंने ऑफिस फोन लगाया, जो रिसीव न होने पर वहां गए तो ताला डला था। तुकोगंज थाने में इसकी शिकायत की थी। एक पीड़ित राहुल ने बताया कि हम लगभग दो हजार लोग हैं।